(c) Against the allotments of 22.5 th. tonnes of rice made for the calendar year 1971. 13.3 th. tonnes has already been despatched. The quantity of wheat despatched to Tripura during the financial year 1970-71 was 2.2 th. tonnes. The quantity despatched during April 1971 was 205 tonnes. Further despatches are in progress.

(d) No, Sir.

राजस्थान में अकाल राहत कार्यों का पूरा किया जाना

597. **श्री शिवनाथ सिंह** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या राजस्थान के उन दस जिलों में से प्रत्येक में जिन्हें वहाँ अकाल पड़ने के कारण पिछड़ा हुआ समझा जाता है अपूर्व अकाल राहत कार्यों को पूरा करने के लिए दो करोड़ रुपये की लागत की कोई योजना है ;

(ख) यदि हां, तो उनके चयन का क्या आधार है ,

(ग) क्या सरकार का विचार झुंझुनू और सीकर जिलों में पानी तथा वर्षा की कमी, और उन क्षेत्रों के प्रतिवर्ष अकालग्रस्त हो जाने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए दोनों जिलों को उक्त योजना में शामिल करने का है ;

(घ) जिन जिलों को योजना द्वारा सहायता प्रदान करने के लिए चुना गया है क्या सीकर और झुंझुनू जिलों की हालत उनसे अधिक खराब है; और

(ङ) इसके क्या कारण है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह) (क) निरन्तर सूखा ग्रस्त क्षेत्रों के लिये ग्राम निर्माण कार्यक्रम के आधीन, लघु सिंचाई, भूमि संरक्षण, वनारोपण और संचार सुविधायें जैसे क्षेत्रों में श्रम वाली और उत्पादनोन्मुखी योजनायें अपनाई जाती हैं। राजस्थान राज्य में इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिये जैसलमेर, बारमेर, पाली, जालौर, बीकानेर, चुरू, जोदपुर, बसवाड़ा नागौर, और डूंगरपुर नामक 10 जिले चुने गये हैं। चुने गये प्रत्येक जिले के लिए, चौथी योजना काल में लगभग 2 करोड़ रुपये का परिव्यय उपलब्ध किया जायेगा। यद्यपि, कार्यक्रम का मंतव्य अधूरे अकाल राहत कार्यों को पूरा करना नहीं है, तथापि यदि अन्य शर्तें पूरी होती हों तो ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी।

(ख) ग्राम निर्माण कार्यक्रम जिलों का चुनाव जो सूखा ग्रस्त क्षेत्रों के केन्द्र बिन्दू है, वहां के सूखे की स्थिति पर किया जाता है। यह स्थिति वहां कितनी बार और कैसी वर्षा होती है, कितनी अवधि और किस सीमा तक सूखा पड़ता है, जिले में कुल फसल आधीन क्षेत्र के कितने प्रतिशत भाग में सिंचाई होती है और अन्य सम्बन्धित तथ्यों जैसी वास्तविक कसौटियों से जानी जाती है।

(ग) जी नहीं।

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं होता।

कृषि उत्पादों के मूल्यों में गिरावट को रोकने के लिये कार्यवाही

599. **श्री शिवनाथ सिंह** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) 1970 वर्ष की तुलना में 1971 वर्ष के दौरान गेहूँ, चना, चावल तथा बाजरा जैसे कृषि उत्पादों के मूल्य में गिरावट की प्रतिशतता क्या थी और इसे रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है;

(ख) क्या भारतीय खाद्य निगम खाद्यान्नों के मूल्यों में गिरावट को रोकने में असफल रहा और भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध ऐसी शिकायतें प्राप्त हुई,

कि उन्होने सीधा किसानो से खाद्यान्न न खरीद कर खाद्यान्न व्यापारियो से खरीदा ; और

(ग) यदि हा, तो सरकार द्वारा इस दिशा मे क्या कार्रवाई की जा रही है ?

कृषि मन्त्रालय मे राज्य मन्त्री (श्री अण्णा साहिब पी० शिन्दे) (क) एक विवरण सलग्न है ।

अधिप्राप्ति एजेंसियो को अधिप्राप्ति मूल्यो पर गेहू तथा बाजरा खरीदने की सलाह दी गई है । सरकार ने चने के लिए कोई अधि-प्राप्ति साहाय्य मूल्य निर्धारित नही किया है ।

(ख) और (ग) खाद्य निगम निर्दिष्टियो के अन्तर्गत आने वाले खाद्यान्नो की मूल्य साहाय्य खरीदारी कर रहा है और वह सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यो पर उत्पादको को सहायता देने मे काफी हद तक सफल हुआ था । कुछ शिकायतें प्राप्त हुई है कि खाद्य निगम व्यापारियो के माध्यम से खाद्यान्नो की खरीदारी कर रहा है और न कि सीधे किसानो से । जब कभी ऐसी शिकायते प्राप्त होती है, उन पर गौर किया जाता है और खरीद की कार्यविधि की उसम सुधार करने की दृष्टि से जाच की जाती है ताकि उत्पादको से सीधी खरीदारी करना सुनिश्चित किया जा सके ।

खाद्यान्न के मूल्यो का अखिल भारतीय सूचकांक

(आधार 1961-62-10)

जिन्स	वर्ष	27 दिसम्बर और 15 मई के बीच सूचकाक मे कमी की प्रतिशतता
गेहूँ	1970-71	(—) 3.7
बाजरा	"	(—) 15 5
चना (साबत)	"	(—) 9 7

इस अवधि मे चावल के सूचकाक मे वृद्धि की प्रवृत्ति आई ।

पश्चिम बगाल में अनाज के मूल्यो में वृद्धि

600. **श्री विभूति मिश्र** क्या कृषि मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मार्च 1971 के बाद पश्चिम बगाल मे अनाज के मूल्यो मे भारी वृद्धि हुई है,

(ख) यदि हा, तो इसके कारण क्या है, और

(ग) क्या पश्चिम बगाल सरकार ने यहा मूल्यो पर नियत्रण रखने हेतु प्रभावी कदम उठाने के लिये केन्द्रीय सरकार से सहायता मागी है ?

कृषि मन्त्रालय से राज्य मन्त्री (श्री अण्णा साहिब पी० शिन्दे) (क) चावल जोकि पश्चिम बगाल की एक मुख्य खाद्य फसल है, के मूल्य मे मार्च-अप्रैल, 1971 मे वृद्धि हुई थी । मई, 1971 के शुरू से चावल के मूल्यो मे धीरे-धीरे नरमी का रुख आया है ।

(ख) मूल्यो मे यह वृद्धि अशत मौसमी थी और अशत दक्षिणी बगाल मे 1970 के उत्तरार्द्ध मे तूफान और बाढो के कारण अमन फसल के उत्पादन मे कमी होने के कारण हुई थी । कानून तथा व्यवस्था स्थिति, शरणार्थियो के भारी सख्या मे आने और पिछले वर्ष की तुलना मे इस वर्ष कम मात्रा मे आन्तरिक अधिप्राप्ति होने से भी मूल्यो मे वृद्धि हुई थी । बाजार मे बडी मात्रा मे चावल की आमद और गर्मी की फसल की बेहतर सम्भावना होने के कारण मई से मूल्यो से गिरावट का रुख आया था । सरकारी वितरण एजेंसियो के द्वारा नियमित सप्लाई करने से चावल के मूल्यो मे वृद्धि को रोकने मे सहायता मिली थी ।

(ग) जी हा ।